गुरु नानक कॉलेज धनबाद

वीर बाल दिवस (दास्ताने.ए.शहादत)

26 / 12 / 2024

गुरु नानक कॉलेज धनबाद द्वारा 26 दिसंबर, **गुरुवार** को महाविद्यालय के भूदा कैंपस के एस. जे एस ग्रेवाल सभागार **में एन.एस.एस इकाई** 1 **और** 2 **द्वारा** वीर बाल दिवस मनाया गया।

श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे **बाबा अजीत सिंह**, **जुझार सिंह**, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को, 'वीर बाल दिवस' के उपलक्ष्य पर 'दास्ताने ए शहादत' के रूप में मनाया। **गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहेबजादे** (**लख्ते जिगर**) **की अमर शहादत** 21 **से** 27 **दिसंबर के बीच हुई थी जिसे भारत सरकार द्वारा वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।**

आयोजन का आरंभ गुरु नानक कॉलेज के शासी निकाय **अध्यक्ष सरदार आर. एस चहल** ने सभी अथितियों का स्वागत करते हुए इस गौरव दिवस पर साहबजादों के शहादत को स्मरण करते हुए धर्म और मानवता की परिभाषा दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सत्य और निष्ठा का मार्ग चुनना चाहिए क्योंकि यह राह ही परमात्मा तक ले जाता है।

आयोजन की अगली कड़ी में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पंक्तिबद्ध होकर गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहबजादों की शहादत की दास्तां को क्रमबद्ध नाटकीयसम्वाद के रूप में प्रस्तुत किया।

आयोजन में विशेष उपस्थिति के रूप में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर से आये **प्रचारक एवं जत्थेदार उपस्थित रहे।**

कार्यक्रम का संचालन **एन. एस एस ऑफिसर दलजीत सिंह** ने किया। **कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद** ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर **महाविद्यालय के** विद्यार्थियों के कुशल प्रदर्शन पर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर की।

मौके पर **धनबाद क्षेत्र के भिन्न-भिन्न गुरुद्वारा की सिक्ख संगत, प्रधान और सचिव एवं गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्कल के सदस्य उपस्थित थे।**

कार्यक्रम में प्रोफेसर इंचार्ज अमरजीत सिंह (**भूदा कैंपस**), प्रोफेसर इन चार्ज प्रो. डॉ. रंजना दास (बैंक मोड़ कैंपस), प्रो दीपक कुमार,**प्रो. संजय सिन्हा**, प्रो. संतोष कुमार , **प्रो मीना मालखंडी**, प्रो. नीता ओझा, प्रो. सोनू प्रसाद यादव, प्रो. अभिषेक सिन्हा, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. साधना सिंह, प्रो. स्नेहल गोस्वामी, प्रो. पीयूष अग्रवाल, **सुश्री नमिता, सुश्री सिमरन छाबड़ा, सुश्री नुश्रत् परवीन के साथ-साथ एन.एस.एस वॉलिंटियर** और अन्य शिक्षकेत्तर कर्मी मौजूद थे।

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
A SIKH MINORITY DEGREE COLLEGE ESTABLISHED BY GURDWARA PRABANDHAK COMMITTEE
हक्क हक्क आगाह गुरू गोबिन्द सिंघ शाहि शहंशाह गुरू गोबिन्द सिंघ ।।
Commemorates
DASTAN-E-SHAHADAT
of
SAHEBZADAS
of
Guru Gobind Singh Ji
on
Veer Baal Diwas
Theme : Quest for Truth, Justice, Freedom, Bravery, Fearlessness
VENUE: S.J.S GREWAL AUDITORIUM, GURU NANAK COLLEGE, BHUDAN CAMPUS, DHANBAD

DASTAN-E-SHAHADAT
SAHEBZADAS
Guru Gobind Singh Ji

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
DASTAN-E-SHAHADAT
SAHEBZADAS
Guru Gobind Singh Ji
Theme : Quest for Truth, Justice, Freedom, Bravery, Fearlessness
GPS Map Camera
Dhanbad, Jharkhand, India
Shitala Colony Rd, Bhuda Colony, Dhanbad,
Jharkhand 828124, India
Lat 23.783058° Long 86.448655°
26/12/24 04:05 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Dhanbad, Jharkhand, India
Shitala Colony Rd, Bhuda Colony, Dhanbad,
Jharkhand 828124, India
Lat 23.78284° Long 86.448785°
26/12/24 04:53 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Dhanbad, Jharkhand, India
Qcjx+pfj, Rani Rd, Bhuda Colony, Dhanbad,
Jharkhand 826124, India
Lat 23.782297° Long 86.448618°
26/12/24 04:41 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Dhanbad, Jharkhand, India
Shitala Colony Rd, Bhuda Colony, Dhanbad,
Jharkhand 828124, India
Lat 23.783049° Long 86.448664°
26/12/24 05:04 PM GMT +05:30
Google

NEWS CLIPING

दास्तानगोई के जरिए बयां की वीरगाथा

जागरण संवाददाता, धनबाद : वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरुनानक कालेज धनबाद की ओर से गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों की वीरगाथा को दास्तानगोई दास्तान-ए-शहादत के माध्यम से गुरुवार को प्रस्तुत किया गया। कालेज के छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन तरीके से अपने गीत व कहानियों के माध्यम से चार साहिबजादों की वीरता का बखान किया।

इससे पूर्व कालेज शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों बाबा अजीत सिंह, जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान की कहानी को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि चार साहिबजादे 21 से 27 दिसंबर के बीच बलिदान हो गए थे। इनके बलिदान को धर्म और मानवता की परिभाषा बताया। उन्होंने कहा कि

वीर बाल दिवस पर दास्तानगोई प्रस्तुत करते गुरुनानक कालेज के विद्यार्थी • जागरण

प्रत्येक व्यक्ति को सत्य और निष्ठा का मार्ग चुनना चाहिए, क्योंकि यह राह ही परमात्मा तक ले जाता है। इस दौरान शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर से आये प्रचारक एवं जत्थेदार उपस्थित थे।

कालेज प्राचार्य डा. संजय प्रसाद समेत विभिन्न गुरुद्वारा के सिख संगत, प्रधान, सचिव, गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्कल के सदस्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

संस, जागरण, बलियापुर : बलियापुर स्थित बीएड कालेज पहाड़पुर में गुरुवार को वीर बाल दिवस के मौके पर छात्र-छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कविता कुमारी प्रथम, नेहा कुमारी द्वितीय व दीप भट्टाचार्य तृतीय स्थान प्राप्त किए। चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

Dainik Jagran, Dated :- 27-12-2024

व्यक्ति को सत्य और निष्ठा का मार्ग चुनना चाहिए : प्रो. चहल

धनबाद। गुरु नानक कॉलेज, धनबाद में गुरुवार एनएसएस की ओर से वीर बाल दिवस के अवसर पर श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे बाबा अजीत सिंह, जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को याद किया गया। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने वीर बाल दिवस के बारे में बताया। कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि हर व्यक्ति को सत्य और निष्ठा का मार्ग चुनना चाहिए। छात्र-छात्राओं ने शहादत की दास्तां को नाटकीय संवाद के रूप में प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर से आए प्रचारक और जत्थेदार भी शामिल हुए।

Dainik Bhaskar
Dated :- 27-12-2024

गुरु नानक कॉलेज में मना वीर बाल दिवस

धनबाद. गुरु नानक कॉलेज की ओर से गुरुवार को महाविद्यालय के भूदा कैंपस में एनएसएस इकाई-1 व 2 की ओर से वीर बाल दिवस मनाया गया. शुरुआत कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने की. संचालन एनएसएस ऑफिसर दलजीत सिंह ने किया. कॉलेज प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों के कुशल प्रदर्शन पर अपनी खुशी जाहिर की.

Prabhat Khabar
Dated :- 27-12-2024

आस्थाः साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के शहीदी दिवस जगह-जगह कार्यक्रम का किया गया आयोजन

धनबाद, वरीय संवाददाता। गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के शहीदी दिवस पर गुरुवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में घोषित किया गया है।

जोड़ाफाटक स्थित बड़ा गुरुद्वारा से शोभायात्रा निकाली गई। सफेद वस्त्र व केसरिया पग में आगे-आगे बच्चे पारंपरिक परिधान व अस्त्र-शस्त्र लेकर साथ चल रहे थे। पीछे-पीछे बड़े-बजुर्ग और महिलाएं चल रही थीं। पूरा बैंक मोड़ क्षेत्र पग के रंग से केसरियामय हो गया। यात्रा में विधायक राज सिन्हा सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए शोभायात्रा मटकुरिया स्थित बड़ा गुरुद्वारा पहुंची। शोभायात्रा में साहिबजादों का बखान हो रहा था।

अडिग आस्था और धर्म के प्रति निष्ठा की दुनिया हुई कायलः सिख धर्म के इतिहास में ऐसी कई घटनाएं हैं, जो त्याग और बलिदान की मिसाल पेश करती हैं। ऐसी ही एक घटना 1705 की है, जब गुरु गोबिंद सिंह जी के दो मासूम साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह अपनी अडिग आस्था और धर्म के प्रति निष्ठा के लिए शहीद हो गए। उनकी इस शहादत की याद में 26 दिसंबर को बाल वीर दिवस मनाया जाता है। सात दिसंबर 1705 को जब गुरु गोबिंद सिंह जी चामकौर की लड़ाई में व्यस्त थे, उसी दिन साहिबजादों और माता गुजरी को सरहिंद के अधिकारियों ने पकड़ लिया। उन्हें सरहिंद ले जाकर ठंडे बुर्ज में रखा गया, जहां कड़कड़ाती सर्दी ने उनके धैर्य और विश्वास की परीक्षा ली। नौ दिसंबर को फौजदार नवाब वजीर खान ने साहिबजादों को इस्लाम कबूल के बदले धन और सत्ता का लालच दिया, लेकिन साहिबजादों ने अपने धर्म पर अडिग रहते हुए इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसके बाद नवाब ने उन्हें दीवार में जिंदा चुनवाने की सजा सुनाई।

दीवार में जिंदा चुनवाकर कर दिया गया शहीदः 11 दिसंबर को दीवार बनानी शुरू हुई लेकिन जब दीवार उनकी छाती तक पहुंची, तो वह ढह गई। फिर उन्हें एक और रात ठंडे बुर्ज में बिताने के लिए मजबूर किया गया। अगले दिन 12 दिसंबर 1705 को जब उन्होंने फिर से इस्लाम अपनाने से इंकार कर दिया तो उन्हें दीवार में जिंदा चुनवाकर शहीद कर दिया गया। बच्चों के अदम्य साहस ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया। माता गुजरी ने भी अपने पोतों की मौत का समाचार सुनते ही प्राण त्याग दिए।

गुरुनानक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं।

जीएन कॉलेज में दिखाया दास्तान-ए-शहादत

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज के भूदा कैंपस के एसजेएस ग्रेवाल सभागार में गुरुवार को एनएसएस इकाई की ओर से वीर बाल दिवस मनाया गया। श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे बाबा अजीत सिंह, जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को 'दास्तान-ए-शहादत' के रूप में मनाया। कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने सभी अथितियों का स्वागत करते हुए इस गौरव दिवस पर साहिबजादों के शहादत को स्मरण करते हुए धर्म और मानवता की परिभाषा दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सत्य और निष्ठा का मार्ग चुनना चाहिए क्योंकि यह राह ही परमात्मा तक ले जाता है। छात्र-छात्राओं ने पंक्तिबद्ध होकर गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहबजादों की शहादत की दास्तां को क्रमबद्ध नाटकीयसम्वाद के रूप में प्रस्तुत किया। आयोजन में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर से आए प्रचारक एवं जत्थेदार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस ऑफिसर दलजीत सिंह ने किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने विद्यार्थियों के कुशल प्रदर्शन पर अपनी खुशी जाहिर की। मौके पर धनबाद क्षेत्र के भिन्न-भिन्न गुरुद्वारा की सिख संगत, प्रधान और सचिव एवं गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्कल के सदस्य उपस्थित थे।

आरएसपी कॉलेज में शहीद साहिबजादों को किया नमन

बलियापुर। आरएसपी कॉलेज में गुरुवार को दो दिवसीय वीर बाल दिवस प्रारंभ हुआ। पहले दिन माय भारत पोर्टल से भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने पीएम नरेंद्र मोदी के संबोधन व महामहिम राष्ट्रपति द्वारा 17 वीर बालकों के सम्मान समारोह को देखा। शहीद साहिबजादों को नमन किया। मौके पर प्राचार्य डॉ निलेश कुमार सिंह, डॉ श्यामकिशोर प्रसाद, प्रो विजय कुमार विश्वकर्मा, डॉ भावना कुमारी, डॉ रामचंद्र कुमार आदि थे।

Hindustan
Dated :- 27/12/2024.

VIDEO LINK

https://youtu.be/KO76uDUt8SE